प्रारंभिक वक्तव्य

(1)

माननीय सदस्यगण,

पंचम झारखण्ड विधानसभा के पंचदश (बजट) सत्र में आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन और जोहार।

पंचम झारखण्ड विधान सभा का यह अंतिम बजट सत्र है। पिछले चार वर्षो के दौरान राज्य सरकार ने विधान सभा चुनावों में किए गए अपने वादो के अनुरूप कार्य किया है और अपनी योजनाओं और उनके कियान्वयन में राज्य के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के हितो की रक्षा को ध्यान में रखते हुए कार्य किया है।

2019 के विधान सभा के चुनाव के बाद राज्य के अंतिम संप्रभु राज्य की जनता ने जो जनमत दिया था। वह बिल्कुल स्पष्ट था। परंतु राज्य के विभिन्न राजनीतिक परिस्थितियों के कारण जो अस्थिरता उत्पन्न हुई है इसी कारण आज उसी जनमत पर आधारित एक नई सरकार इस बजट सत्र में अपना बजट प्रस्तुत करने जा रही है। सदन नेता आदरणीय चंपाई सोरेन जी के नेतृत्व वाली सरकार ने 5 फरवरी को इस पवित्र सदन का विश्वास हासिल किया था। अब नई सरकार पूर्ण रूप से गठित हो गई है और माननीय मंत्रिगणों के बीच विभागों का बंटवारा हो गया है। माननीय मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रीगणों को आने वाले समय में जनसेवा के उत्कृष्ट कार्यो के लिए मैं अपनी शुभकामनायें देता हूँ। इस नये मंत्रिमंडल में दो नये युवा यशस्वी चेहरों को शामिल किया गया है। मैं माननीय मंत्री श्री बसंत सोरेन जी एवं माननीय श्री दीपक बिरूवा जी को मंत्री के रूप में बेहतर कार्यो के लिए अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ। मुझे विश्वास है कि आप दोनों मंत्रीगण 'दिशोम गुरू' आदरणीय शिबू सोरेन जी द्वारा क्रांति की जो अलख जलाई गई थी, उसे बुझने नहीं देंगे और अपने कार्यो से उसे अधिक और मजबूती प्रदान करेंगे।

माननीय सदस्यगण, वर्तमान सत्र के दौरान कुल सात बैठकें निर्धारित हैं, जिनमें सरकार द्वारा वर्ष 2023–24 के तृतीय अनुपूरक व्यय विवरणी तथा वित्तीय वर्ष 2024–25 का आय–व्ययक का उपस्थापन किया जायेगा। राजकीय विधेयक एवं गैर सरकारी संकल्प के लिए एक दिन निर्धारित है। इसके अतिरिक्त प्रक्रिया तथा कार्य–संचालन के नियमों के अधीन माननीय सदस्यों को जन–सरकार से जुड़े

विषयों और समस्याओं पर सत्र के दौरान प्रश्नकाल, शुन्यकाल, ध्यानाकर्षण सूचनाएँ, प्रस्तावों और संकल्पों को उठाने के अवसर भी प्राप्त होंगे।

सदस्यगण, बजट राज्य के आय–व्यय का दर्पण होता है जिसके माध्यम से आप सभी को अवसर मिलेंगे कि सरकार के वित्तीय प्रबंधन की समीक्षा करें तथा जिन क्षेत्रों में विकास की ज्यादा जरूरत है, उन क्षेत्रों में सरकार को ज्यादा राशि के निवेश के लिए परामर्श दें। बजट प्रस्ताव और अनुदान की माँगों और कटौती प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदस्यों के जो उपयोगी और सार्थक

सुझाव आते हैं, उन्हें आने वाले वित्तीय वर्षो व बजट या चालू वित्तीय वर्ष के ही अनुपूरक बजटों में समाहित कर 'बजटीय प्रबन्धन' में माननीय सदस्यों की भूमिका को सुनिश्चित किया जा सकता है। आप बजट प्रस्तावों और कटौती प्रस्तावों पर अपनी बातों को जनहित में अवश्य रखें।

माननीय सदस्यगण पंचम झारखण्ड विधान सभा समाप्ति की ओर है। जनता ने अपना स्पष्ट अभिमत झारखण्ड के वर्ष 2019 के विधान सभा चुनाव में दिया। वास्तव में लोकतंत्र में जनता से ही अंतिम संप्रभुता निहित होता है। हर बार हम सब चुनावों में जाते हैं तो कुछ वादों फेहरिस्त को जनता के सामने प्रस्तुत करते है। जनता उन वादों का और उन वादों को निभाने की दिशा में किये गये ईमानदार प्रयासों का मुल्यांकन/आकलन करती है, और अपने इसी तोल–मोल के आधार पर अपने जनमत का प्रयोग करती है। कई बार हमें यह भ्राँति हो जाती है, कि लोकमत की यादा्श्त बहुत छोटी होती है। परंतु जनता सब बातों – व्यवहारों का स्मरण रखती है, और इसके आधार पर ही अपने जनप्रतिनिधियों का चयन करती है।

झारखण्ड एक आन्दोलन की उपज है देश में राज्य निर्माण का सबसे लम्बा एवं अहिंसक आंदोलन का इतिहास इस राज्य का है। खनिज–संसाधनों से परिपूर्ण यह राज्य अपने संसाधनों के कारण ही शोषण और दमन का शिकार रहा है। परंतु इतिहास साक्षी है कि हर दमन और शोषण का प्रतिकार कर यह राज्य हमेशा पूरी मजबूती के साथ खड़ा हुआ।

अंत में, मैं पंकज सिंह की इन पंक्तियों को पढ़कर आप सभी माननीय सदस्यों का इस बजट सत्र को राज्य की साढ़े तीन करोड़ जनता के आशाओं के अनुरूप बनाए रखने का आह्वान करना चाहता हूँ।

गुजरने दो इन सर्द हवाओं को मांसपेशियों से एक–एक शिरा से
हड्डियों में बसे सदियों के धूसर अपमानों से
हम क्रुरताओं की बौछारों में पैदा हुए
हम क्रुरताओं में पले
जैसे पत्थर के नीचे दबी घास
जैसे राख में जिंदा आग
और फिर यह कोई कम बड़ा अचरज है
कि हम है ।
अपने होने भर से सारा का सारा जंगल हिलाते हुए
हम जानते हैं आएगा एक दिन बसंत
जिंदा चीजों को दुलारता हुआ।

इन्ही के साथ आप सभी का पुनः अभिनंदन ।